B.A. Part — I ①

प्रो० रणधीर कुमार सिंह
समाजशास्त्र विभाग
पटना कॉलेज।

M — 9546991571.

प्र० — परिवार की उत्पत्ति के मुख्य सिद्धान्तों की व्याख्या करें।

उ० — प्रत्येक परिवार की कहानि एक पूर्ण जीवन की कहानि है जो उनके मृत्यु के साथ ही समाप्त हो जाती है। परिवार समाज की बहुत पौराणिक इकाइयों में से एक है। अतः यह कहना कठिन है कि परिवार की उत्पत्ति कब हुई क्योंकि कोई भी ऐसा समाज नहीं था जब परिवार नहीं था।

मैकाईवर और पेज (MacIver and Page) के विचार में "समाज की उत्पत्ति का प्रश्न ही नहीं उठता क्योंकि मानव जीवन में कोई भी ऐसा स्थान नहीं है जहाँ परिवार नहीं था। फिर भी इसकी उत्पत्ति के कई सिद्धान्त हैं जो निम्नलिखित हैं :→

(A) Theory of Sex communism → कबीलों में यौन सम्बन्धों पर कोई रुकावट नहीं थी। एक कबीले के द्वारे कबीले से यौन-सम्बन्ध स्वाभाविक था। ऐसा भी देखने में आता है जबकि अतिथि सत्कार के लिये अपनी पत्नी या लड़की को अर्पित किया जाता था। अतः बच्चे के बाप का पता लगाना कठिन था। इसी सिद्धान्त को यौन साम्यवाद का सिद्धान्त कहा जाता है।

(B) Matriarchal Theory → जब बच्चे के पिता का पता लगाना कठिन था तो स्वाभाविक रूप से बच्चे के वंश का माता से निर्धारित होता था। Briffault ने भी अपनी पुस्तक "The Mother" में इस सिद्धान्त की पुष्टि की है।

(C) Patriarchal Theory → पितृ-सत्तक सिद्धान्त की उत्पत्ति मातृ-सत्तात्मक सिद्धान्त से ही हुई। सिकारी और कृषि साधनों के विकास के साथ-साथ पितृ सत्तक सिद्धान्त भी बढ़ने लगा। क्योंकि स्त्रियाँ और बच्चे खेती बाड़ी के काम में सहायक होते थे। अतः मनुष्य इन को सम्पत्ति के रूप में रखना अधिक लाभदायक समझने लगे। Plato and Aristotal ने इसी सिद्धान्त का उल्लेख किया और बाद में Sir Henary maine ने भी

ढंग का प्रतिपादन किया। इस प्रकार के परिवार में पिता बड़ा और सत्तात्मक व्यक्ति माना जाता है।

(D) Monogamy Theory :→ इसका उत्पत्ति डारविन के "सिद्धान्त" के परिवार व्यक्ति की सम्पत्ति और स्पर्धा की भावना से बना है। "या पर निर्भर है। मनुष्य अपनी शक्ति प्रदर्शन के किसी भी स्त्री को अपनी सम्पत्ति सिद्ध कर लेता था और उसको उसे स्वीकृत कर लेता था। कुछ समाजशास्त्रियों का मत है कि कुछ इस प्रकार की प्रथा पशु जगत में भी विद्यमान है। बन्दर जो कि मनुष्य के पूर्वज माने जाते हैं कुछ हद तक इसी प्रथा का पालन करते हैं। परन्तु यह सिद्धान्त भी परिवार की उत्पत्ति की उचित व्याख्या नहीं करता अतः पूर्णतया माना नहीं जा सकता।

(E) Evolutionary Theory → Morgan ने उत्पत्ति का विकासवादी सिद्धान्त प्रस्तुत किया है इसके अनुसार परिवार कुछ परिस्थितियों से होता हुआ आधुनिक स्वरूप तक पहुँचा है। ऊपर दिये गये सभी कारण इसमें सहायक हो सकते हैं परन्तु यह कहना की अमुक समय और स्थान पर अमुक कारण प्रभावशाली था गलत है। ये सभी कारण अलग अलग और एक साथ भी परिवार की उत्पत्ति के लिए उत्तरदायी है।

मैकाइवर का विचार है कि परिवार विकास की अनेक परिस्थितियों से गुजरा है। इसकी स्थितियों और सम्बन्धित भावनाओं में निरन्तर परिवर्तन आता रहता है। परिवार की उत्पत्ति में तीन तत्व महत्वपूर्ण है। (i) यौवन (ii) बच्चों का जन्म और (iii) आर्थिक संगठन। इनके आधार पर परिवार मुख्यतः चार परिस्थितियों में से गुजरता है।-

(1) विवाह के पूर्व की स्थिति — इसमें पति पत्नि के बीच एक सजीवता होती है दोनों एक दूसरे को समझने की कोशिश करते है। और बाद द्वारा निर्धारित विवाहों में यह कम नजर आता है। परन्तु परिवार के इतिहास में इस स्थिति का अन्त, किसी भी परिस्थितियों में, आवश्यक है।

② विवाह सम्बन्ध की स्थिति :→ इस स्थिति में विवाहित दम्पति अपना घर बनाते हैं, नयी प्रकार की भावनाओं को जन्म देते हैं और यह स्थिति व्यक्ति का स्वभाव का भावना करने के रूप में मानी जाती है।

③ बच्चे पैदा करने की स्थिति → यह स्थिति पुरुष और स्त्री का पूर्ण सम्बन्ध है जिसमें बच्चों को जन्म दिया जाता है। नयी भूमिकाएँ और नए उत्तरदायित्व आ जाते हैं।

④ परिपक्व स्थिति → इसमें जीविका कार्य पूर्ण हो जाने पर बच्चे स्वतन्त्र हो कर माँ-बाप पर निर्भर रहते अतः दम्पति का इस समय फिर नई भूमिकाओं और नई विचार धारा का निर्धारण करना होता है। इस समय में सदस्यों का मनोवैज्ञानिक समझौता आवश्यक है। सम्मान और आत्मसम्मान भूमिका वाले व्यक्तियों में एक समझौता है जो अन्त तक चलता है।

— X —